महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252551 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

---

हिंदी बने संपर्क भाषा-कुलपति राय
हिंदी विवि में हिंदी दिवस पर कर्मि हुए पुरस्कृत

वर्धा दि. 15 सितंबर 2011: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ज्ञानानुशासन के सभी विषयों को हिंदी भाषा के माध्यम से हिंदी के प्रचार और प्रसार का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। हिंदी के वैश्विकरण की दिशा में हम जरूरी औजार प्रदान करणे की दिशा में अग्रसर है। हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त हो इसके लिए हमारा गंभीर प्रयास जारी है। हमारा लक्ष्य है कि हिंदी देश विदेश के लिए संपर्क भाषा बने। उक्त उदबोधन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय ने विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में व्यक्त किये।

हिंदी सप्ताह के अंतर्गत विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया था। इन प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त प्रतिभागियों को कुलपति राय ने पुरस्कार प्रदान किये। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन आयोजित समारोह में प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन, कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे तथा वित्ताधिकारी अजित सिंह मंचस्थ थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति राय ने पुरस्कार प्राप्त सभी कर्मियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि हिंदी के मानकीकरण की दिशा में हम समय-समय पर कार्यशालाएं आयोजित कर कर्मियों को हिंदी में प्रशिक्षित करते हैं। कम्प्यूटर पर हिंदी का प्रशिक्षण

देने के लिए गैर-शैक्षणिक कर्मचारी संघ के प्रस्ताव का स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि यूनिकोड के माध्यम से हिंदी में एकरूपता लाने के लिए सभी कर्मियों को कम्प्यूटर का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. अरविंदाक्षन ने कहा कि प्रांजल और सम्प्रेषणीय हिंदी के लिए हमें प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कर्मियों से आग्रह किया कि वे अपनी रूची के पुस्तकों का चयन कर उसे अनुदित करें। पुरस्कारों के बारे में एक सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि पुरस्कारों में नकद राशि के स्थान पर किताबें दी जाए तो पुरस्कार प्राप्त कर्मियों में पठनीयता विकसित हो सकेगी। कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे ने कहा कि हमारा अधिकतर कार्य हिंदी में ही होता है और इस प्रकार से हम साल भर हिंदी दिवस मनाते रहते है। उन्होंने हिंदी को प्रचार-प्रसार में हिंदी सिनेमा के योगदान को अधोरेखित किया। कार्यक्रम में वित्ताधिकारी अजित सिंह तथा डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौध्द अध्ययन केंद्र के कार्यकारी निदेशक डॉ. एम. एल. कासारे ने भी अपने विचार रखे। प्रारंभ में मंचस्थ अतिथियों का पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा प्रभारी सहायक प्रोफेसर डॉ. उमेश कुमार सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. खामरे ने किया। समारोह में अध्यापक, कर्मि एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजन हेतु संगीता मालवीय, पदमाकर सुरजुसे, केसरी प्रसाद ने प्रयास किये।

<u>पुरस्कार प्राप्त कर्मी</u>: सुलेख प्रतियोगिता-सुश्री कांचन शेन्डे (प्रथम), मनोहर रसे (द्वितीय) कल्पना चौधरी (तृतीय), निबंध प्रतियोगिता: मनोज कुमार द्विवेदी (प्रथम), वेद प्रकाश (द्वितीय), उमाशंकर (तृतीय), टंकण प्रतियोगिता : राजेश अरोडा (प्रथम), शुभांगी धोंगडे (द्वितीय), उमाशंकर (तृतीय), कविता पाठ: नटराज वर्मा (प्रथम), राजेश अरोड़ा (द्वितीय), गुंजन जैन (तृतीय), वादविवाद: राजेश अरोड़ा (प्रथम), नटराज वर्मा (द्वितीय), मनोज कुमार द्विवेदी (तृतीय), प्रोत्साहन पुरस्कार: गुंजन जैन, गोखुल कुमार, मंगेश आटे, दीपक साल्वे, सुभाष श्रीवास्तव, सरिता रोकड़े आदि। इन पुरस्कारों के लिए चयन मंडल में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी, डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. हरीश हुनगुंद, डॉ. वीर पाल सिंह यादव, डॉ. प्रीति सागर, डॉ. सुरजित कुमार सिंह, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, अवंतिका शुक्ला, ब्रिजेश पाटिल एवं राजेश अरोड़ा शामिल थे।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

पोष्ट - मानस मंदिर, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
Post- Manas Mandir, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), INDIA
Ph./Fax: (07152) 252651 ई-मेल/**E-mail: bsmirgae@gmail.com**, वेबसाईट/**Website:** www.hindivishwa.org